**ग्रामीण कृषि मौसम सेवा**
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

# मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

**दिनांक : 16-06-2023**

**उधम सिंह नगर(उत्तराखंड ) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2023-06-16 ( अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)**

| मौसम कारक | 2023-06-17 | 2023-06-18 | 2023-06-19 | 2023-06-20 | 2023-06-21 |
|---|---|---|---|---|---|
| वर्षा (मिमी) | 0.0 | 2.0 | 8.0 | 10.0 | 8.0 |
| अधिकतम तापमान(से.) | 39.0 | 37.0 | 35.0 | 35.0 | 36.0 |
| न्यूनतम तापमान(से.) | 23.0 | 24.0 | 25.0 | 23.0 | 22.0 |
| अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%) | 70 | 70 | 75 | 75 | 70 |
| न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%) | 30 | 30 | 30 | 30 | 30 |
| हवा की गति (किमी प्रति घंटा) | 14 | 14 | 14 | 14 | 12 |
| पवन दिशा (डिग्री) | 230 | 230 | 110 | 90 | 70 |
| क्लाउड कवर (ओक्टा) | 1 | 3 | 4 | 2 | 1 |

## मौसम सारांश / चेतावनी:

पिछले सात दिनों (9 जून से 15 जून) में 0.0 मिमी बारिश दर्ज होने से मौसम साफ रहा है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान 38.6 और 40.8 डिग्री सेल्सियस और 21.3 से 26.0 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। सापेक्ष आर्द्रता 0712 बजे 44 से 67% और 1412 बजे 22 से 33% के बीच पाई गई। इस अवधि के दौरान हवा की गति अधिक थी जो 3.4 से 16.3 किमी/घंटा के बीच रही जबकि हवा की दिशा ज्यादातर उत्तर और उत्तर-उत्तर-पूर्व रही। पांच दिनों के पूर्वानुमान के अनुसार 17 तारीख को उत्तराखंड के मैदानी इलाकों के अलग-अलग स्थानों पर हल्की बूंदाबांदी होने की संभावना है। उत्तराखंड के अधिकांश स्थानों पर 18,19 और 20 जून को हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है। इस दौरान बादल छाए रह सकते हैं। अपेक्षित अधिकतम और न्यूनतम तापमान 35.0-39.0 डिग्री सेल्सियस और 22.0-25.0 डिग्री सेल्सियस होगा। पूर्वानुमान के अनुसार हवा की गति 12-14 किमी/घंटा होगी और हवा की दिशा पूर्व और दक्षिण-पश्चिम होगी। चेतावनी: पूर्वानुमान के अनुसार उत्तराखंड के मैदानी इलाकों में 17 जून को छिटपुट स्थानों पर हल्की बूंदाबांदी की सम्भावना है । 18 और 19 जून को उत्तराखंड में अलर्ट जारी किया गया है जिसके मुताबिक उत्तराखंड में अलग-अलग स्थानों पर बिजली गिरने, तेज बारिश और तूफान (हवा की गति 60-70 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से 80 किमी प्रति घंटे तक) के साथ गरज के साथ छींटे पड़ने की संभावना है। बाकि दिनों में मौसम शुष्क रहेगा।

## सामान्य सलाहकार:

विस्तारित रेंज पूर्वानुमान के अनुसार, उत्तराखंड के यूएस नगर क्षेत्र में सामान्य से 100% के विचलन के साथ पूर्वानुमानित प्रवृत्ति में कम वर्षा दिखाई दी। भारत मौसम विज्ञान विभाग से प्राप्त मिश्रित एनडीवीआई समग्र नक्शा ने संकेत दिया कि एनडीवीआई 0.2-0.35 के बीच है जो जिले में मध्यम कृषि शक्ति का प्रतीक है। किसानों को सलाह दी जाती है कि वे पिछले सप्ताह के मौसम, मौसम पूर्वानुमान और कृषि मौसम संबंधी सलाह प्राप्त करने के लिए "मेघदूत ऐप" और बिजली की जानकारी प्राप्त करने के लिए "दामिनी ऐप" डाउनलोड करें। मेघदूत और दामिनी ऐप को गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉयड यूजर्स) और ऐप सेंटर (आईओएस यूजर्स) से डाउनलोड किया जा सकता है।

## लघु संदेश सलाहकार:

17 को उत्तराखंड के मैदानी इलाकों में छिटपुट स्थानों पर हल्की बूंदाबांदी होने की संभावना है, जबकि 18,19 और 20 जून को उत्तराखंड के अधिकांश स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है।

## फ़सल विशिष्ट सलाह:

| फ़सल | फ़सल विशिष्ट सलाह |
|---|---|
| चावल | स्टेज: नर्सरी धान की शीघ्र पकने वाली किस्में गोविन्द, नरेंद्र 118, नरेंद्र 97, साकेत 4 , अदि की पौध 20 जून तकदाल दे। सुगन्धित धान की किस्में-टाइप 3, तरावड़ी बासमती, पूसा बासमती-1, बासमती-370, पंत सुगन्ध धान 15, पंत सुगन्ध धान-17, पंत सुगनध धान- 21, पूसा सुगन्ध-2, पूसा सुगन्ध-3, पूसा सुगन्ध-4 पूसा-1121, पूसा सुगन्ध-5, पी0आर0एच-10 आदि की पौध 15 जून से 30 जून तक डाल लें। धान की पौध गीली तथा शुष्क विधि से तैयार की जा सकती है। गीली विधि में पौध छेत्र में 15 -20 दिन पहले पानी लगा दें ताकि खरपतवार जैम जायेंगे और खेत तैयार करते समय खेत में मिल जायेगा । शुष्क विधि से उपरोक्त खाद डालकर खेत तैयार कर ले और 5 -10 से. मी. की दूरी पर कतारों में 500 ग्राम बीज प्रति 10 वर्ग मी. की दर से बुवाई करें और बुवाई के बाद पानी लगा दें। बीज को कार्बेन्डाजिम 50 प्रतिशत डब्लू. पी. द्वारा 2 ग्राम/ कि.ग्रा से उपचारित कर लें। धूप अधिक होने पर धान की क्यारियों को बचने के लिए शेडनेट का प्रयोग करें। |
| मक्का | स्टेज: बसंतकालीन मक्का- तुड़ाई खरीफ मक्का- बुवाई बसंतकालीन मक्के की फसल की बारिश से पहले तुड़ाई कर ले । खरीफ मक्का की बुवाई का सबसे अच्छा समय जून का दूसरे पखवाड़ा है। मक्का की संकुल किस्में जैसे तरुण, नवीन, किरण, नवजोत, प्रताप मक्का-1, पूसा संकुल 3 और 4 की बुवाई करें। बीज दर 18-20 कि.ग्रा./हेक्टेयर रखें और बुवाई 60-75 सेमी की दूरी पर करें। |
| अरहर (लाल चना/ अरहर) | स्टेज: बुवाई गेहूं की बुवाई संभव होने की स्थिति बनाये रखनेके लिए अरहर की शीघ्र पकने वाली प्रजातियां की बुवाई जून के मध्य तक कर लेनी चाहिए । बुवाई से पहले बीज को सर्वप्रथम 8 ग्राम/ कि.ग्रा जैव नियंत्रक ट्राइकोडरमा पाउडर से उपचारित करना चाहिए और फिर राइजोबियम एवं पी. एस. बी. जैव उर्वकों से बीजोपचार करना चाहिये । |
| मूँग | स्टेज: तुड़ाई मूंग की फसल के पक जाने पर तुड़ाई कर लें। तुड़ाई में देरी न करें, नहीं तो फलियों के चटकने से दाने जमीन पर गिर जाते हैं। 80 प्रतिशत मूंग के पक जाने पर फलियों को तोड़कर बचें हुए पौधों के हिस्से को को उसी खेत में हरी खाद में बदल दें। कोई भी कृषि कार्य पूर्वानुमान को ध्यान में रखकर ही किया जाना चाहिए। |
| काला चना | स्टेज: तुड़ाई उर्द की फसल के पक जाने पर तुड़ाई कर लें। तुड़ाई में देरी न करें, नहीं तो फलियों के चटकने से दाने जमीन पर गिर जाते हैं। 80 प्रतिशत उर्द के पक जाने पर फलियों को तोड़कर बचें हुए पौधों के हिस्से को को उसी खेत में हरी खाद में बदल दें। कोई भी कृषि कार्य पूर्वानुमान को ध्यान में रखकर ही किया जाना चाहिए। |

## बागवानी विशिष्ट सलाह:

| बागवानी | बागवानी विशिष्ट सलाह |
|---|---|
| बैंगन | स्टेज:बुवाई गोल बैंगन की बुवाई और रोपाई का यह सही समय है। रोपाई शाम के समय की जानी चाहिए। कतार से कतार की दूरी 75 सैं.मी. और पौधे से पौधे की दूरी 60-75 सें.मी. पर्याप्त होनी चाहिए। |
| नींबू | स्टेज:बुवाई निम्बू का नया बाग़ लगाने के लिए गद्दे की भरे करें । |
| आड़ू | स्टेज: तुड़ाई आड़ू, बेर और नाशपाती को तोड़कर खेत की सिंचाई करनी चाहिए। कोई खेती की गतिविधियां पूर्वानुमान को ध्यान में रखकर की जानी चाहिए। |
| कद्दू | स्टेज: तुड़ाई कद्दू वर्गीय सब्ज़ियों में बेल सूखने की समस्या को नियंत्रित करने के लिए सूखे बेल को काटकर नष्ट कर दें और कार्बेन्डाजिम का 0.1% (1 ग्राम प्रति लीटर) की दर से घोल बनाकर जड़ों की सिंचाई करें। कोई भी कृषि गतिविधि पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए की जानी चाहिए। |
| अदरक | स्टेज: रोपण अदरक की कम एवं मध्यम अवधि वाली किस्मो की बुवाई शीघ्र संपन्न कर लें। |
| हल्दी | स्टेज: रोपण हल्दी की कम और मध्यम अवधि वाली किस्मों की बुआई यथाशीघ्र पूरी कर लें। |
| मिर्च | स्टेज: तुड़ाई मिर्च की फसल के ऊपर से डंठल सूखने की समस्या से बचने के लिए प्रभावित शाखाओं को तोड़ कर हटा दें और 0.1 प्रतिशत की दर से कार्बेन्डाजिम घोल का छिड़काव करें। मौसम के पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए रसायनों का छिड़काव करें। कोई भी खेती गतिविधियों को पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए किया जाना चाहिए। |
| टमाटर | स्टेज: तुड़ाई किसानों को पके हुए टमाटर की फसल की तुड़ाई कर लेनी चाहिए। बारिश के बाद रोग लगने की संभावना होती है इसलिए संक्रमित पौधों को नष्ट कर दें (जब मुरझाए हुए पत्ते दिखाई दे रहे हों)। विषाणु रोगों को नियंत्रित करें और सैप-चूसने को नियंत्रित करने के लिए कीटनाशकों का छिड़काव करें कीड़ों की रोकथाम के लिए मैंकोजेब 2.5 ग्राम/लीटर या कॉपर ऑक्सीक्लोराइड 3.0 ग्राम/लीटर |

| बागवानी | बागवानी विशिष्ट सलाह |
|---|---|
| | पानी का छिड़काव करें। किसान भाई इस बात का ध्यान रखें कि छिड़काव मौसम के पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए करें। |
| भिण्डी | चरण: तुड़ाई मौसम के पूर्वानुमान के अनुसार किसानों को पहले से पके हुए भिंडी की तुड़ाई कर लेनी चाहिए। वर्षा के बाद सफेद मक्खी के प्रकोप की सम्भावना होती है जो मोज़ेक वायरस फैलाती है इसलिए किसानों को इन स्थितियों पर ध्यान देना चाहिए। |

## पशुपालन विशिष्ट सलाह:

| पशुपालन | पशुपालन विशिष्ट सलाह |
|---|---|
| गाय | टिटनेस, एंटरोटॉक्सिमिया और हेमोरेजिक सेप्टिसीमिया के खिलाफ पशुओं का टीकाकरण करें। पशुओं को अत्यधिक गर्मी से बचाने हेतु छायादार वृक्षों का प्रयोग कर । चारे की कमी से बचने के लिए किसानों को चारे की तुड़ाई करनी चाहिए। महत्वपूर्ण पोषक तत्वों की कमी से बचने के लिए चारे में नमक का मिश्रण पर्याप्त मात्रा में होना चाहिए। |
| भेंस | दो से चार महीने की उम्र के पशुओं को काली टांग/काले चौथाई (बीक्यू) के खिलाफ टीका लगाया जाना चाहिए।गर्मी के मौसम में भैंसों को पानी में लोटने के लिए रखना चाहिए। |